Downloaded from www.studiestoday.com

अध्याय-7

जन आंदोलनों का उदय

जन आंदोलन -

1970 के दशक में विभिन्न सामाजिक वर्गो, जैसे-महिला, छात्र, दलित और किसानों को लग रहा था कि लोकतांत्रिक राजनीति उनकी जरूरत और माँगों पर ध्यान नहीं दे रही है। इसके चलते भारतीय राजनीति में जन आंदोलनों में विभिन्न तरीकों से जनता की भावनाओं को व्यक्त किया गया। इससे सरकार और देश का ध्यान अनछुए मुद्दो की ओर गया तथा इस दिशा में कदम उठाए गए। स्मरणीय है कि ऐसे आंदोलनों में प्रमुख राजनीतिक दलों का योगदान नगण्य था।

प्रमुख जन आंदोलन :-

चिपको आंदोलन :- चिपको आंदोलन उत्तराखंड के कुछ गाँवों से शुरू हुआ। वन विभाग ने स्थानीय लोगों को पेड़ काटने की अनुमति देने से मना कर जब खेल सामग्री बनाने वाली कम्पनी को अनुमति दे दी। इससे स्थानीय लोगों में फैला रोष इस आंदोलन के रूप में सामने आया। इस आंदोलन में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी रही। महिलाओं ने पेड़ों से चिपक कर उन्हें काटने का विरोध किया। यह विरोध बड़ी जल्दी अन्य इलाकों में भी फैल गया। इसमं कुछ और सामाजिक मसले भी जुड़ गये। आखिरकार इस आंदोलन को सफलता मिली और सरकार को झुकना पड़ा।

दलित पैथर्स :-

यह आंदोलन जाति आधारित असमानता के खिलाफ झुग्गी-बस्तियों के युवाओं द्वारा महाराष्ट्र में चलाया गया। यहाँ 1972 में दलित युवाओं ने 'दलित पैंथर्स नाम से संगठन बनाया। इसका उद्देश्य जाति आधारित सामाजिक अन्याय का विरोध एवं आरक्षण और सामाजिक न्याय की नीतियों के कारगर क्रियान्वयन की माँग उठाना था। दलित पैंथर्स का बृहत्तर विचारधारात्मक एजेंडा जाति प्रथा को समाप्त करना तथा भूमिहीन गरीब किसान, शहरी औद्योगिक मजदूर और दलित सहित सारे वंचित वर्गो का एक संगठन खड़ा करना था।

भारतीय किसान यूनियम :-

यह आंदोलन हरित क्रांति से लाभान्वित अपेक्षाकृत धनी किसानों का आंदोलन था। भारतीय किसान यूनियन ने गन्ने और गेहूँ के सरकारी खरीद मूल्य में बढ़ोतरी करने, कृषि उत्पादों के अंतर्राष्ट्रीय आवाजाही

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

पर लगी पाबंदिया हटाने, समुचित दर पर गारंटीशुदा बिजली आपूर्ति करने, किसानों के कर्ज माफ करने तथा उन्हें पेशन का प्रावधान करने की मांग की। इस आंदोलन में रैली, धरना, प्रदर्शन और जले भरों अभियान जैसे तरीके अपनाये गये। यह आंदोलन अपनी राजनीतिक मोल भाव की क्षमता के चलते अस्सी के दशक का सबसे सफल आंदोलन सिद्ध हुआ।

ताड़ी-विरोधी आंदोलन :-

यह आंदोलन आंध्र प्रदेश की महिलाओं का एक स्वत: स्फूर्त आंदोलन था। यह शराब माफिया और सरकार दोनों के खिलाफ चला। ये महिलाएं अपने आस-पड़ोस मं शराब की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की मांग कर रही थी। नेल्लोर जिले से शुरू हुआ यह आंदोलन धीरे-धीरे फैलता चला गया। इस आंदोलन ने महिलाओं के मुद्दो के प्रति समाज में जागरूकता पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

नर्मदा बचाओं आंदोलन :-

नर्मदा बचाओ आंदोलन नर्मदा और उसकी सहायक नदियों पर सरदार सरोवर परियोजना के तहत बनने वाले बाँधों का विरोध करता है। यह आंदोलन विकास के मॉडल और उसके सार्वजनिक औचित्य पर सवाल उठाता रहा है। इस आंदोलन ने बहु-उद्देशीय विकास परियोजनाओं के स्थानीय लोगों के आवास, आजीविका, संस्कृति और पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को प्रभावी ढंग से उजागर किया है। यह आंदोलन ऐसी परियोजनाओं की निर्णय प्रक्रिया और प्राकृतिक संसाधनों पर स्थानीय लोगों के नियंत्रण जैसे मुद्दे भी उठाता रहा है।

जन आंदोलन के सबक :-

देश में उठने वाले जन आंदोलन देश की लोकतांत्रिक प्रक्रिया का ही एक हिस्सा है। इन आंदोलनों ने ऐसी समस्याओं को उठाया है जिनको उठाने में राजनीतिक दलों ने कोई दिल्चस्पी नहीं दिखाई। इस प्रकार जन आंदोलनों ने समाज के गहरे तनावों और जनता के क्षोभ को एक सार्थक दिशा देकर एक तरह से लोकतंत्र की रक्षा की है।

एक अंकीय प्रश्न

1. 'दल आधारित आंदोलनों' से क्या अभिप्राय है?
2. जन आंदोलन का कोई एक लाभ लिखिए?
3. दलित पैंथर्स की स्थापना कब हुई?
4. चिपको आंदोलन कहां प्रारम्भ हुआ?
5. नेशनल फिशवर्कर्स फोरम क्या है?
6. बी. के. यू का शब्द विस्तार लिखिए?

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

7. सूचना का अधिकार कानून कब पारित हुआ?
8. मेधा पाटेकर किस आंदोलन से सम्बन्धित है?
9. ताड़ी-विरोधी आंदोलन क्या था?
10. दलित पैथर्स की प्रमुख मांग क्या थी?
11. भारतीय किसान यूनियन ने अपना आंदोलन किस क्षेत्र में चलाया?

दो अंकीय प्रश्न

1. चिपको आंदोलन पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए?
2. चिपको आंदोलन में महिलाओं ने किस प्रकार सक्रिय भागीदारी निभाई?
3. दलित पैंथर्स द्वारा उठाये गए किन्ही दो मुद्दो का उल्लेख कीजिए?
4. दलितों के लिए चलाए गए आंदोलनों में से किन्ही दो का उल्लेख कीजिए?
5. किन्ही दो किसान आंदोलनों का नाम लिखिए?
6. नर्मदा बचाओ आन्दोलन क्या है?
7. बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजनाओं के कोई दो नकारात्मक प्रभाव बताइए?
8. नक्सलवादी आंदोलन से क्या अभिप्राय है?
9. सूचना के अधिकार का आंदोलन कब शुरू हुआ तथा इसका नेतृत्व किसने किया?

चार अंकीय प्रश्न

1. जन आंदोलन क्या है?
2. जन आंदोलनों का महत्व स्पष्ट कीजिए?
3. चिपको आंदोलन के प्रभाव लिखिए?
4. दलित पैंथर्स का उद्देश्य क्या था?
5. दो पर्यावरणवादी आंदोलनों का वर्णन कीजिए?
6. ताड़ी-विरोधी आंदोलन ने किन मुद्दो को उठाया?
7. बांध परियोजनाओं के विरोध में चलाए गए आंदोलनों में किन मुद्दो को उठाया जाता रहा है?

छः अंकीय प्रश्न

1. भारत में चले जन आंदोलनों के सबक क्या रहे हैं?

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

2. चिपको आंदोलन के कारणों एवं परिणामों की चर्चा कीजिए?
3. भारतीय किसान यूनियन की प्रमुख मांगो का उल्लेख करते हुए। इन्हें मनवाने के लिए अपनाये गये तरीको का वर्णन कीजिए?
4. भारत में चले किन्ही तीन जन आंदोलनों का उल्लेख कीजिए?
5. जन आंदोलनों के भारतीय लोकतंत्र पर प्रकाश डालिये?

एक अंकीय प्रश्नों के उत्तर

1. जिनमें राजनीतिक दलों की सहभागिता रहती है।
2. जनता के जागरूकता लाते है।
3. महाराष्ट्र में सन् 1972 में हुई।
4. उत्तराखंड में।
5. मछुआरों के हितों की रक्षा के लिए बनाया गया एक राष्ट्रीय संगठन।
6. भारतीय किसान संगठन
7. सन् 2005 में।
8. नर्मदा बचाओ आंदोलन से।
9. आन्ध्र प्रदेश में महिलाओं द्वारा ताड़ी की बिक्री पर रोक लगवाने के लिए चलाया गया आंदोलन।
10. दलितों के हितों व कल्याण से संबंधित कानूनों व नीतियों को सही तरीके से लागू किया जाए।
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश में।

दो अंकीय प्रश्नों के उत्तर

1. चिपको आंदोलन पर टिप्पणी
2. पेड़ों से चिपक कर इन्हें काटने का विरोध किया।
3. – जाति आधारित असमानता का मुद्दा

   – आरक्षण के कानून तथा सामाजिक न्याय की नीतियों का कारगर क्रियान्वयन
4. दलित पैथंर्स तथा आदि धर्म आन्दोलन।
5. भारतीय किसान यूनियन द्वारा चलाया गया आंदोलन

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

- तेलंगाना आंदोलन

6. नर्मदा और उसकी सहायक नदियों पर सरदार सरोवर परियोजना के अंतर्गत बनने वाले बांधो का विरोध

7. पुनर्वास की समस्या तथा पर्यावरण को खतरा।

8. पश्चिमी बंगाल, बिहार तथा आंध्र प्रदेश के कुछ भागों में किसान तथा खेतीहर मजदूरों द्वारा आर्थिक असमानता और अत्याचार के विरूद्ध चलाया गया आंदोलन।

9. सूचना के अधिकार आंदोलन की शुरूआत मजदूर किसान शक्ति संगठन के नेतृत्व में 1990 के दशक में हुई।

चार अंकीय प्रश्नों के उत्तर

2. स्मरणीय बिंदु में जन आंदोलन के सबक देखें।

3 - सरकार द्वारा हिमालयी क्षेत्र में 15 वर्ष तक पेड़ो की कटाई पर रोक

- महिलाओं में जागरूकता आई

- अन्य आंदोलनो को प्रेरणा मिली।

- ग्रामीण एवं महिलाओं से संबंधित मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने में सफल रहा ।

4 - दलितों पर हो रहे अत्याचारों से लड़ना

- आरक्षण एवं सामाजिक न्याय के कानूनों व नीतियों को सही तरीके से लागू करवाना।

- जाति आधारित असमानता को समाप्त करवाना।

- वंचित एवं दलित वर्गो को समाप्त करवाना।

5. चिपको आंदोलन तथा नर्मदा बचाओं आंदोलन

6. ताड़ी/शराब के दुष्प्रभावों, घरेलू हिंसा, लैंगिक भेदभाव और अपराध व राजनीति के आपसी संबंधो को।

7. विस्थापितों की समस्याएं, पर्यावरण क्षति का मुद्दा, निर्णय प्रक्रिया में स्थानीय समुदायों की हिस्सेदारी तथा प्राकृतिक संसाधनों पर वहां के स्थानीय लोगों का मसला आदि।

छः अंकीय प्रश्नों के उत्तर

1. स्मरणीय बिंदु देखें।

2. चिपको आंदोलन के कारण व परिणाम

3. प्रमुख मांगे :- चावल और गेहूँ के सरकारी खरीद मूल्य में वृद्धि, कम दरों पर गांवों तक बिजली

Downloaded from www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com

आपूर्ति, कृषि उत्पादों के अंतर्राज्यीय परिवहन पर लगे प्रतिबंध हटाना, किसानों के लिए पेशंन, किसानों के कर्जे माफ करना आदि।

आंदोलन के दौरान अपनायें गए तरीके :– रैलियां, धरना, प्रदर्शन, जेल भरो अभियान आदि।

4. चिपको आंदोलन, किसान आंदोलन, दलित पैंथर्स, ताड़ी विरोधी आन्दोलन, नर्मदा बचाओं आंदोलन आदि में से कोई तीन।

5. जन आंदोलनो से लोकतंत्र मजबूत हुआ है, इनसे जनता में जागृति आयी है, दलितों व वंचितों की स्थिति सुधारने में मदद मिली है तथा दलिम राजनीति की कमियो को दूर करने का एक जरिया मिला है।

www.studiestoday.com

Downloaded from www.studiestoday.com